

**ई0 पत्रावली संख्या-74783 / 2024****प्रेषक,****डा0 आर0 राजेश कुमार, I.A.S**

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

**सेवा में,****प्रमुख अभियन्ता,**

सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,

देहरादून।

**सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण अनुभाग-2****देहरादून : दिनांक****दिसम्बर, 2024****विषय : वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य सैक्टर से पोषित नलकूप एवं नहर निर्माण योजनाओं हेतु पुनर्विनियोग किये जाने विषयक।****महोदय,**

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-395/प्र0अ0/सिं0वि0/बजट/बी-1(मांग)/कैम्प, दिनांक 18.10.2024 एवं पत्र संख्या-578/प्र0अ0/सिं0वि0/बजट/बी-1(मांग)/कैम्प, दिनांक 10.12.2024 में किये गये प्रस्ताव के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य सैक्टर से पोषित नलकूप एवं नहर निर्माण योजनाओं हेतु पुनर्विनियोग किये जाने के माध्यम से संलग्न बी0एम0-9 के अनुसार रू0 480.03 लाख (रू0 चार करोड़ अस्सी लाख तीन हजार मात्र) की धनराशि पुनर्विनियोग संलग्न विवरणानुसार उपलब्ध बचतों से किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) सम्बन्धित धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में उन योजनाओं हेतु ही किया जायेगा, जिसके लिये धनराशि अवमुक्त की जा रही है।
- (ii) धनराशि का आहरण व व्यय वास्तविक आवश्यकता के अनुसार किस्तों में किया जायेगा।
- (iii) प्रमुख अभियन्ता आहरण एवं वितरण अधिकारियों को अवमुक्त धनराशियों का विवरण बी0एम0-10 पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।
- (iv) कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (v) धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की आगणन पर तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त करा ली जायेगी।
- (vi) अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय उसी मद में किया जाएगा, जिसके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है।
- (vii) धनराशि व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- (viii) किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2017 एवं उससे सम्बन्धित समय-समय पर निर्गत विभिन्न शासनादेशों एवं वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-पांच भाग-1 (लेखा नियम), आय व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) व वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-193/XXVII(1)/2012, दिनांक 30.03.2012 का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (ix) वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-201358/09(150)2019/XXVII(1)/2024, दिनांक 22 मार्च, 2024 में दिये गये दिशा-निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं एवं उक्त शासनादेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये और वांछित सूचनायें निर्धारित प्रपत्रों पर यथासमय शासन को उपलब्ध करा दी जाये।
- (x) अवमुक्त की गयी धनराशि का पूर्ण उपयोग विलम्बतम् दिनांक 31.03.2025 तक कर लिया जाये, यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे नियमानुसार शासन को समर्पित किया जायेगा।

- (xi) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग चालू वित्तीय वर्ष में कर लेंगे व धनराशि को किसी भी दशा में पार्क नहीं किया जायेगा।
- (xii) इस सम्बन्ध में होने व्यय वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-20 के अन्तर्गत संलग्न बी0एम0-9 के कालम-07 के नामे डाला जायेगा तथा बी0एम0-9 के कालम-01 की बचतों से वहन किया जायेगा।
- 2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के अनुदान संख्या-20 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4700-02-001-02-00-53-वृहत निर्माण मद के नामे डाला जायेगा।
- 3- यह आदेश वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-2 की कम्प्यूटरजनित क्रमांक-।/261917/2024, दिनांक 17 दिसम्बर, 2024 में प्रदत्त सहमति के क्रम में जारी किया जा रहा है।

संलग्न- बी0एम-9 (पुनर्विनियोग प्रपत्र)

भवदीय,

(डा0 आर0 राजेश कुमार)  
सचिव।

ई0 पत्रावली संख्या- 74783 / 2024, तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (ऑडिट) कौलागढ़ रोड, देहरादून।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) कौलागढ़ रोड, देहरादून।
3. निदेशक, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
4. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(जे0एल0शर्मा)  
संयुक्त सचिव।